सं म्रो बि/रोह/31-87/11872---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं प्रवन्धक, हरियाणा क्षेत्रीय प्रामीण वैंक शाखा, छुछकवास, तहसील झझर, जिला रोहतक, के श्रमिक श्री ईश्वर सिंह, पुत्र श्री धर्म पाल शर्मा, गांव व डाक खाना लोहरवाड़ा, जिला भिवानी तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई भीद्योगिक दिवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रन, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिविनियम, 1947, की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रिविसूचना सं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नदम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी ग्रीविसूचना की घारा 7 के ग्रिवीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय पर्व पंचाद सं म म से देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उद्दर्श दिवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित है :--

क्या श्री ईश्वर सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित सथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो. वि. रोह/32-87/11879 — चूंकि हिरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० राम सन्यैटिक, फैबिवस, एम. माई. ई. 329, वहादुरगढ़, जिला रोहतक, के श्रीमक श्री हरकेश गुप्ता, पुत्र श्री शब्ब प्रसाद, इण्टस्ट्रील एरिया, नेहरू पार्क, वार्ड नं० 5, मकान नं० 95, वहादुरगढ़ (रोहतक) तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641—1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे मुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिकर्णय एवं पंचाट तीन मासः में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित है:—

क्या श्री हरकेश गुप्ता की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो धह किस राहत का हक्दार है ?

सं. ग्रो.वि. रोहतक/33-87/11886.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राथ है कि मै० छाबड़ा इण्टस्ट्रीज एम. ग्राई. ई., बहादुरगढ़, रोहतक, के श्रीमक श्री इन्द्रासन सिंह, मार्फत प्रधान, एच. एन. जी. मजदूर यूनियन, बस स्टैण्ड बहादुरगढ़, तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है;

थ्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेसु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भ्रव, भ्रोद्योगिक विवाद भिर्धित्यम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641-1-श्रम- 78/32573, दिनोंक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के भ्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच था तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है।

क्याश्री इन्द्रासन सिंद की सेदा**यों** का समापन न्यापोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इकदार है ?